कक्षाः नौवीं
पशुपालन

मास	पुस्तक का नाम	विषय वस्तु	शिक्षण के पीरियड	दोहराई के पीरियड
अप्रैल				
मई	प्रथम अध्यायः	पशुधन का राष्ट्रीय आर्थिकता में महत्व। कृषि में पशुओं का स्थान, खाद्य पदार्थों में पशुओं का स्थान, डेरी उद्योग तथा रोजगार में पशुओं का स्थान। मृतक पशुओं का योगदान	20	
जून				
जुलाई	द्वितीय अध्यायः	पशुओं का वर्गीकरण तथा नस्लें। पशुओं का वर्गीकरण, पशुओं की नस्लें–भारत में गाय तथा भैसों की मुख्य नस्लें।	20	
अगस्त	द्वितीय अध्यायः	पशुओं का वर्गीकरण तथा नस्लें। मुर्गियों की नस्लें।	20	
सितम्बर	तृतीय अध्यायः	वैज्ञानिक पशु व्यवस्था के सिद्धांत एवं महत्व सींगहीन करना, पशुओं की पहचान नम्बर लगाना, कानों में नम्बर बाधंना, कान कतरना, ठप्पा लगाना।	15	
अक्तूबर	तृतीय अध्यायः	वैज्ञानिक पशु व्यवस्था के सिद्धांत एवं महत्व भेड़ों और मुर्गियों में पहचान का चिन्ह लगाना, पशुओं में बुरी आदतें तथा उनका निवारण, मुर्गियो में बुरी आदतें तथा उनका निवारण।	15	
नवम्बर	चतुर्थ अध्यायः	निवास स्थान पशुओं के लिए उचित भवन, गावों के निवास स्थान में रखने का ढंग, निवास स्थान के अतिरिक्त आवश्यकताएं। पशुओं के निवास स्थान की सफाई, आदर्श मुर्गीघरों की विभिन्न विधियां, आदर्श मुर्गीधरों में आवश्यक सामान	20	
दिसम्बर	अध्यायः5	पशुओं के रोग। पशुओं में रोग के लक्षण, रोगों का वर्गीकरण, सुक्ष्म विषाणु रोग, शरीर के अंग सम्बन्धी रोग(अपचन, आफरा, पेट बन्ध पड़ना, दस्त लगना, मरोड़ पेचिश,	20	

		कब्ज होना, दुग्ध ज्वर, गर्भाशय का दाह)।		
जनवरी	अध्याय:5	पशुओं के रोग। शरीर के अंग सम्बन्धी रोग– जेर का रुकना, योनि या गर्भाशय का उल्ट कर बाहर आना, लू लगना, बछड़ों में सफेद दस्त, पशुओं के रोगों के बचाव के टीके, क्वरनटीन, दवाई पिलाना, कीट रहित करना, खुरिया कुंड डीपिंग, दवाई छिड़कना, टकोर देना या सेका देना, अनीमा करना, बधिया करना, खस्सी करना।	20	
फरवरी		Revision		
मार्च		Exam		